देशभर में प्रशंसित, ISO 9001-2015 द्वारा प्रमाणित एवं ख्याति प्राप्त सबसे पुरानी संस्था

नोट : मिलते जुलते नामों की हमारी अन्य कोई यात्राा संस्था नहीं है।

पंजीयन संख्या 24384 D

श्री शिव शँकर

तीर्थ यात्रा (रजि0) ऋषिकेश

हरिद्वार आगमन

28 अप्रैल 2020	27 मई 2020
01 मई 2020	07 जून 2020
10 मई 2020	11 जून 2020
15 मई 2020	18 जून 2020
24 मई 2020	25 जून 2020
	18 सितम्बर 2020

उत्तराखण्ड चार धाम तीर्थयात्रा

(2 x2 पुशबैक बसों द्वारा)

यात्रा समय

12

दिन

यात्रा की विशेषताएं

- शुद्ध देशी घी का दोनों समय भोजन, नाश्ता व तीन समय चाय।
- सामान्य चिकित्सा, मोबाइल चार्जिंग सुविधा।
- अनुभवी कार्यकर्ता, चौकीदार सुविधा।
- एल.टी.सी. की सुविधा।
- घुमाने के वास्ते बस/टैम्पो/स्टीमर की सुविधा।

नोट- उपरोक्त सभी सुविधाएं किराये में सम्मिलत हैं।

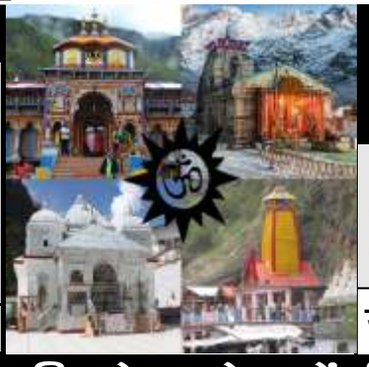

यह संस्था तीर्थयात्राओं के जनक गहन अनुभवी
स्व0 श्री लाला शिवचरण लाल अग्रवाल
ऋषिकेश द्वारा संस्थापित हैं

"असल तो असल होते हैं तिरेपन (53) सालों से भी ज्यादा समय से स्वयं की मौलिक कार्यप्रणाली पर निर्भर होकर हम आपकी सेवा में समर्पण भावना से कार्यरत हैं।"

यात्रा हेतु अपना स्थान शीघ्र सुरक्षित कराइये।

विशेष अनुरोध– मिलते जुलते नामों की नकली संस्थाओं से बचे।

हमारी यात्राा संस्था का नाम श्री शिवशंकर तीर्थ यात्राा द्धरजि0ऋ;षिकेश है। हमारी संस्था की सफलता को देखते हुए अन्य बहुत सी संस्थाओं ने श्री के स्थान पर अन्य नाम-डिजाइन जोड़कर अपना नाम रख लिया है जैसे - ऊँ, हरि ऊँ, जय, माँ गंगे आदि। और वे मिलते-जुलते नामों के द्वारा यात्रियों को बहकाने की चेष्टा कर रहे हैं। कृपया उनसे 10 वर्ष पुराने यात्रियों की सूची-रिकार्ड माँगें व उनके पुराने यात्रियों से सम्पर्क करके सुविधा, व्यवस्था की जानकारी करें तभी आपको वास्तविकता ज्ञात होगी। चूंकि हम यात्रियों को पूरी-पूरी सुविधा प्रदान करते हैं, सन्तुष्ट रखते हैं अत: हमारा खर्चा अन्य संस्थाओं से ज्यादा रहता है, कृपया आप हमारे पुराने यात्रियों से सुविधा, व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करें व सन्तुष्ट होने पर ही सीट बुक करायें।

यात्रा बुकिंग, टिकट प्राप्ति एवं अन्य समस्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें या लिखें।

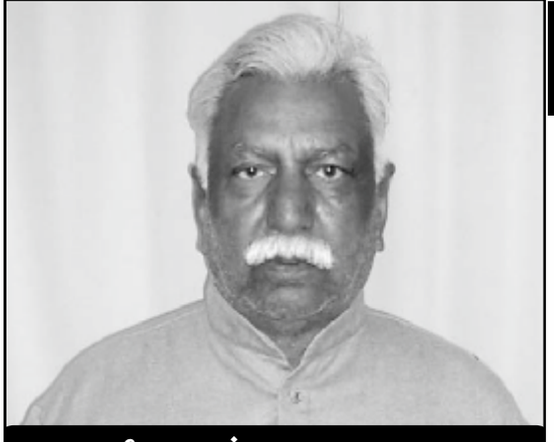

आदरणीय संस्थापक
स्व0 श्री लाला शिवचरण लाल अग्रवाल
(ऋषिकेश वाले)

संस्थापक स्व0 श्री लाला शिवचरण लाल अग्रवाल

श्री शिवशँकर तीर्थ यात्रा (रजि.)

233, बनखण्डी, रेलवे स्टेशन रोड, ऋषिकेश
(देहरादून) उत्तराखण्ड (249201)
फोन : 0135-2431668, 2436468
फैक्स 0135-2431768

फोन सुविधा प्रात: 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक

श्री शिव शंकर रेल तीर्थ यात्रा (ऋषिकेश) वाले प्रस्तुत करते हैं।

उत्तराखण्ड चार-धाम, हरिद्वार, ऋषिकेश यात्राा विवरणावली

पहला दिन	:	हरिद्वार आगमन :– रात्रि विश्राम (महाजन भवन धर्मशाला, दूधाधारी चौक, माहेश्वरी भवन के साथ वाली गली में) हरिद्वार।
दूसरा दिन	:	हरिद्वार से बस द्वारा यमुनोत्राी हेतु स्नानादि नाश्तोपरान्त प्रात : 6 बजे प्रस्थान (रात्रि विश्राम – सुविधानुसार)
तीसरा दिन	:	स्यानाचट्टी से यमुनोत्री प्रस्थान, जानकी चट्टी से यमुनोत्री पैदल यात्राा (रात्रि विश्राम – पूर्ववत्)
चौथा दिन	:	स्यानाचट्टी से प्रस्थान उत्तरकाशी, काशी विश्वनाथ शिव मन्दिर दर्शन (रात्रि विश्राम – उत्तरकाशी)
पांचवा दिन	:	उत्तरकाशी से गंगोत्राी प्रस्थान, गंगोत्राी दर्शन, गंगा स्नान (रात्रि विश्राम – उत्तरकाशी)
छठा दिन	:	उत्तरकाशी से केदारनाथ हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम – सुविधानुसार)
सातवां दिन	:	रामपुर से सोनप्रयाग/ गौरीकुण्ड बस द्वारा व गौरीकुण्ड से केदारनाथ पैदल यात्राा, केदारनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग दर्शन व (रात्रि विश्राम केदारनाथ)
आठवां दिन	:	केदारनाथ से प्रस्थान (रात्रि विश्राम – सुविधानुसार)
नवां दिन	:	बद्रीनाथ धाम हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम – बद्रीनाथधाम)
दसवाँ दिन	:	बद्रीनाथ भगवान के दर्शन, गर्म कुण्ड स्नान व ब्रह्मकपाली में पिण्ड प्रदान (रात्रि विश्राम– सुविधानुसार)
ग्यारहवां दिन	:	ऋषिकेश हेतु प्रस्थान, देवप्रयाग में भागीरथी व अलखनन्दा संगम दर्शन, ऋषिकेश दर्शन करते हुए हरिद्वार आगमन (रात्रि विश्राम हरिद्वार)
बारहवां दिन	:	दोपहर भोजन के पश्चात हरिद्वार में यात्राा का समापन।

यात्रा का किराया– चाय, नाश्ता, भोजन 2x2 बस के किराये सहित 17501/–रूपया होगा अग्रिम धनराशि हेतु 1001/–रूपया प्रति यात्री नगद अथवा किसी भी बैंक का ड्राफ्ट **''श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा (रजि0)''** के नाम का बनवाकर ऋषिकेश ऑफिस पर भिजवा दें। ड्राफ्ट या नगद रूपया प्राप्त होते ही रसीद भेज दी जायेगी। बकाया किराया हरिद्वार पहुंचने पर ले लिया जायेगा।

भोजन एवं चाय, नाश्ता सुविधा– यात्रियों के लिए यात्राकाल में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध होगा। शाम को चाय दी जायेगी। दाल–चावल, रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफान्इड तेल का प्रयोग होगा। चावल देहरादूनी बासमती बनाया जायेगा। समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज–लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा पैदल यात्रा (यमनोत्री–केदारनाथ) में लंच पैकेट दिया जाएगा।

आवश्यक सामान–कृपया प्रत्येक यात्री 1 गिलास, 1 चम्मच, गरम शॉल, चादर (बैडशीट), गरम कपड़े, बरसाती, टार्च, मोमबत्ती, कपड़े सुखाने की रस्सी, पानी की बोतल, ताला–चाबी, नियमित दवाईयां (जो रोजाना आप लेते हैं) आदि सामान अवश्य अपने साथ लावें। भोजन हेतु बर्तनों की व्यवस्था संस्था करेगी। यात्री अपने साथ पहचान पत्र अवश्य लाये।

शयन सुविधा– रात्रि विश्राम के लिए गेस्ट हाउस/होटल का प्रबन्ध समस्त यात्रियों के लिए सामूहिक रूप से अधिकतम चार अथवा छः बैड के अटैच लैट/बाथरूम कमरों में किया जाएगा व प्रत्येक यात्री के लिए सिंगल पलंग व बिस्तर का प्रबन्ध संस्था द्वारा किया जायेगा। पर्वतीय क्षेत्र में सीमित व्यवस्थाओं के कारण प्रथम, द्वितीय व तृतीय मंजिल पर ठहराने की व्यवस्था हो सकती है। आपका सहयोग अपेक्षित है।

विशेष आग्रहः– हमारी संस्था अन्य संस्थाओं की तरह यात्रियों को धर्मशाला में बड़ा हॉल बुक कर जमीन पर बिस्तर नहीं लगाती है।

विशेष नोट : पूर्व में आई आपदा के कारण केदारनाथ में उपलब्ध सीमित साधनों के आधार पर ही व्यवस्था (ठहरने व भोजन की) हो पायेगी। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा की गयी व्यवस्था व बनाये गये नियमों के तहत ही यह यात्रा करवायी जायेगी। आपसे प्रार्थना है कि अपना आशीर्वाद और सहयोग प्रदान कर अपनी यात्रा को सुखद और सफल बनायें।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

1. यह यात्रा पर्वतीय क्षेत्र की है। अत : यात्रा के दौरान परिस्थितियों की वजह से कार्यक्रम के समय व मार्ग में परिवर्तन आ सकता है। संस्था के कार्यकर्ता यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देगें फिर भी पर्वतीय क्षेत्र होने की वजह से असुविधा होना स्वभाविक है अत : उस समय तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
2. संक्रामक रोगी, अनुचित व्यवहार करने वाले व अस्वस्थ यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार मैनेजर के पास रहेगा व समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र ऋषिकेश रहेगा।
3. यात्रा के दौरान यात्रियों की देखभाल व घुमाने के वास्ते संस्था के कार्यकर्ता साथ रहेगें फिर भी आर्थिक, शारीरिक क्षति व प्राकृतिक आपदा के लिए यात्री स्वयं जिम्मेदार होगें।
4. यात्रियों से निवेदन है कि पत्र व्यवहार करते समय अपना पूर्ण पता, टेलीफोन नं0, मोबाईल नं0 अवश्य लिखें। केदारनाथ में लगभग 17 व यमुनोत्री में 7 किलोमीटर पैदल जाना व आना पड़ेगा। यदि कोई यात्री पैदल चलने में असमर्थ है तो अपने स्वयं के खर्चे पर डांडी–कांडी, पालकी व खच्चरों का प्रयोग कर सकता है।
5. यात्री अपनी बुकिंग सम सख्यां के अनुसार जैसे 2, 4, 6 के हिसाब से करवाने का प्रयास करें, ताकि 2x2 बसों में बैठने एवं कमरों में ठहरने मे कोई असुविधा ना हो।

   नोट–बस में सबसे पीछे की (5 सीटर) वाली सीट नॉन पुश बैक होती है, उसमें यात्री सहयोग बनायें। सीटिंग व्यवस्था लॉटरी सिस्टम से रहेगी।
6. यदि कोई यात्री किसी भी कारणवश या अस्वस्थ होने की वजह से यात्रा अधूरी छोड़ेगा तो उसको यात्रा का जमा किराया वापस नहीं लौटाया जायेगा।